।। श्री ।।

खारघर, ५–१२–०८

कब तक

कबतक जायेंगी जाने
कबतक मनायेंगे शोक
कबतक आतंकी की होली में चढ़ेंगे लोग ?

कबतक आतंक से लडेंगे
कबतक मौत का तांडव सहेंगे
कबतक होगा बलिदान
कबतक बुलेटप्रूफ में शहीद होगा जवान ?

कबतक चलेगा विनाशकारी खेल
कबतक आते रहेंगे धमकीभरे ई–मेल
कबतक राजनेता भरेंगे अपना गल्ला
कबतक होगा दहशतवादी हल्ला ?

हमें रखनी होगी कठोर सुरक्षा व्यवस्था
हमें मिटानी होगी लाचारी विवशता
मतभेद भुलाकर देना होगा जवाब
ता उम्र आतंक का उतारना होगा नकाब

हमे करना होगा आतंकवादी का श्राद्ध
हमें मिटाना होगा देशसे आतंकवाद

– सौ. जयश्री म. लेले